मादक पदार्थो के दुष्प्रभाव: यौन जीवन पर प्रकाश

भूमिका

तम्बाकू, शराब ,गांजा ,भांग, अफीम, कोकीन ,नींद लाने वाली, भ्रम पैदा करने वाली, सूघने व उत्तेजना पैदा करने वाली दवाइयां मादक पदार्थो के अंतर्गत आती है. मादक पदार्थो का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है.

दुष्प्रभाव को प्रभावित करने वाले तत्व

दुष्प्रभाव बहुत सी बातो पर निर्भर करता है जैसे-

A. मादक पदार्थ से संबंधित

- पदार्थ का स्वभाव
- पदार्थ के प्रयोग की अवधि
- पदार्थ के प्रयोग की मात्रा
- पदार्थ के प्रयोग करने का तरीका

B. व्यक्ति से संबंधित

- व्यक्ति की संवेदनशीलता
- उम्र
- लिंग
- साथियो का दबाव

प्रतिकूल परिणाम

मानव शरीर का कोई भी अंग नशे की लत के हानिकारक प्रभाव का प्रतिरोधी नहीं है. इनके दुष्प्रभाव शीघ्र या दीर्घकालीन भी हो सकती है. मोटे तौर पर, नशे के सम्बंधित प्रतिकूल परिणामो को इस प्रकार संक्षिप्त में बताया जा सकता है.

A. केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र सम्बन्धी दुष्प्रभाव

- चलने में लड़खड़ाहट,
- स्मृति विभ्रंश / याददाश्त की समस्या
- एकाग्रता में कमी
- दौरे
- तंत्रिका विकृति
- मस्तिष्क का अध:पतन / विघटन

B. श्वसन सम्बन्धी दुष्प्रभाव

- खांसी या श्वांस नली का संक्रमण
- कैंसर, टी बी
- चिरकालिक प्रतिरोधी फुफ्फुसीय रोग (COPD)

C. पेट सम्बन्धी दुष्प्रभाव

- जठर शोथ या पेट में सूजन
- पेप्टिक अल्सर

- लिवर सिरॉसिस
- पेट का कैंसर
- पैंक्रियास का संक्रमण
- कुअवशोषण सिंड्रोम
- श्लैष्मिक छीज/ आंत की म्यूकोसा फटना

D. जनन एवं मूत्र सम्बन्धी दुष्प्रभाव

- गुर्दा फेल होना
- यौन निष्क्रियता
- इच्छा की कमी
- नपुंसकता
- यौन संचारित रोग
- कैंसर
- गायनोकोमस्टिया

E. मानसिक रोग

- सन्निपात
- दवाओ पर निर्भरता
- मनोदशा विकार
- मनोविकार/ शंका की बीमारी
- दुश्चिंता विकार/ घबराहट के रोग
- नशीले पदार्थो का प्रतिकार

अन्य

- सड़क दुर्घटनाओ में मस्तिष्क एवं आंत्र सम्बन्धी चोट
- जन्म विकार (यदि गर्भ धारण के दौरान नशा लिया गया हो)
- फोड़े (सुई द्वारा नशा लेने वालो में)
- मांसपेशियों का तनाव
- मांसपेशियों का की बीमारिया
- कुपोषण

इसके अतिरिक्त नशे का सेवन करने वालो को वैधानिक व आर्थिक परेशानियां ,सामाजिक लांछना ,नौकरी से निकाला जाना आदि परेशानियो का सामना करना पड़ता है जिससे व्यक्ति के जीवन स्तर में कमी आती है.

भ्रांतियां

सामान्य जन में नशीले पदार्थो को लेकर अनेक भ्रांतियां हैउनके अनुसार इनसे-

- कार्य क्षमता में वृद्धि होती है
- तनाव कम करने में सहायता मिलती है
- यौनेच्छा में वृद्धि होती है
- ध्यान व् एकाग्रता में सुधार होता है
- समाजीकरण में सहायता मिलती है
- निर्भरता की समस्या किसी किसी को ही होती है

उपरोक्त भ्रांतियां थोड़े समय तक औसत मात्रा में नशा करने वालो के लिए तो सही

हो सकती है है परन्तु यदि यही लम्बे समय तक ली जाये तो हानिकारक होती है.

मादक पदार्थो के यौन जीवन पर दुष्प्रभाव

तथ्यों के अनुसार शराब, तम्बाकू, अफीम और अन्य उत्तेजक पदार्थ औसत से कम मात्रा में लिए जाने पर यौनेच्छा तो बढ़ाते है परन्तु कार्यक्षमता को घटा देते है। नशे के प्रभाव में लोग अनुपयुक्त यौन व्यव्हार दर्शाते है जो कि अक्सर सामाजिक नियंत्रण की कमी और उल्लासोन्माद के कारण होता है। मादक पदार्थो को ज्यादा समय तक लेने से काफी यौन निष्क्रियता उत्पन्न होती है. शराब द्वारा उत्पन्न यौन निष्क्रियता लम्बे समय तक पोषण की कमी (विटामिन और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी), यकृत की खराबी, वृषण के आकार में कमी , नसों व तंत्रिका के विकारो , नसों और हार्मोन के असंतुलन के कारण हो सकती है . भांग ,गांजा आदि का सेवन करने वालो में यौन निष्क्रियता यौनेच्छा की कमी ,स्तम्भन जो कि प्रेरक के अभाव और नसों-हार्मोन के असंतुलन के कारण हो सकता है । अफीम के लती व्यक्तियों में अफीम लेने से वीर्य स्खलन में देरी तथा पूरी तरह अफीम को बंद कर देने पर शीघ्र स्खलन हो जाता है । सुई द्वारा नशा लेने वाले व्यक्तियों में संक्रमित सुई की साझीदारी करने से एच आई वी का संक्रमण हो सकता है।गलत स्थानो पर (जैसे कि लिंग की नसों में या शुक्राशय) सुई लगाने से तथा नसों में सूजन के कारण भी यौन निष्क्रियता हो सकती है।

मादक पदार्थ लेने वालो में यौन निष्क्रियता के कारण यौन जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है जिसके परिणाम स्वरुप वैवाहिक झगडे ,बांझपन और तनाव होता है। अतः सामान्य जन में नशे के दुष्प्रभावो के बारे जागरूकता बढ़ाने की और उपचारात्मक कार्यक्रमों को ज्यादा से ज्यादा लोगो तक पहुचॉने की जरूरत है.

सुरक्षात्मक उपाय

मादक पदार्थ जनित विकारो से बचाव और इलाज संभव है.प्रभावी निवारण के लिए जरूरी है-

1. स्वाथ्य शिक्षा और मादक पदार्थ जनित विकार के बारे में लोगो को जागरूक करना
2. मादक पदार्थ सम्बन्धी विकारो का शीघ्र निदान और उपचार

3. नशा लेने वालो का पुनर्वास

सरकार की तरफ से मेडिकल कालेजो , मानसिक चिकित्सा की सुविधा वाले जिला अस्पतालों ,मानसिक स्वास्थय संस्थाओं में इलाज की सुविधा प्रदान की गयी है. इसी तरह गैर सरकारी संस्थाए ,निजी नशा उन्मूलन और पुनर्वास केंद्र के साथ ही मानसिक चिकित्सा की सुविधा वाले निजी अस्पताल भी मादक पदार्थ लेने वालो को इलाज प्रदान कर रहे है.

अनुवाद

डॉ. माया बाजपेई , पीएचडी, रिसर्च आफिसर
डॉ . बंदना गुप्ता, एमडी, असिस्टेंट प्रोफेसर
मानसिक रोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,यूपी,लखनऊ

Source-
Adverse effects of addictive substances: Focus on sexual life Sujit Kumar Kar , Diwakar Sharma http://www.iisb.org

Cite this article as-
Kar S K, Sharma D. Adverse effects of addictive substances: Focus on sexual life. Indian Institute of Sexology Bhubaneswar May2015.